६०२/१५०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ६ जून, २०१०)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग प्रवीण - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''अत: उनका सत्संग करें ।'' (१०३)
२. ''तुम्हारा और हमारा क्या कुछ अलग है ?'' (६३)
३. ''लोया में घी-दूध मिलता ही नहीं !'' (७९)

प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) [९]

१. आश्रित संप्रदाय के त्यागियों के लिए वेदरस ग्रंथ विशेष उपयोगी है । (३६)
२. श्रीजीमहाराजने रामबाई के पानी के घड़े में अपने चरण रखें । (७८)
३. कल्याणदास लग्नमंडप से बाहर निकल पड़े । (१३)
४. कृपानंद स्वामी के मंडल में बिलकुल पोल पट्टी नहीं चलती ! (५७)

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [८]

१. सत्संगिजीवन । (३८) **अथवा** २. ध्यान । (४२)
३. जेठा मेर । (५४) **अथवा** ४. मछियाव की बुआजी । (१८)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [६]

१. कोन से वचनामृत अनुसार भगवान कभी अन्तर्धान नहीं होते ? (७६)
२. किस लिए डोसाभाई को संसार बाँध नहीं सकता ? (९०)
३. उका खाचर के देर से आने का कारण सुनकर महाराज ने क्या किया ? (११)
४. भगवान और उत्तम लक्षणवाले संत की एक समान सेवा करने की बात कौन से वचनामृत में बताई है ? (४७)
५. एकांतिक धर्म किसे कहते हैं ? (६१)
६. जिसे भगवान की मूर्ति का चिन्तन होता है उसको क्या प्राप्त होता है ? (६७)

प्र.५ 'भगवान जीवों के गुनाहों की और.....' (८७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । [५]

विषय : भक्तराज मगनभाई (१०१-१०४)

१. पूर्व अफ्रीका सत्संग मंडल की स्थापना मगनभाई के शुभ हस्तों से टरोरो में हुई । **२.** मगनभाई ने सारे व्यसनों को तिलांजलि दे दी । **३.** भक्तराज मगनभाई अफ्रीका सत्संगमंडल के प्रणेता थे । **४.** स्वामी निर्गुणदासजी द्वारा वे हरमानभाई के योग में आए । **५.** शास्त्रीजी महाराज कहते थे, 'मैं मगनभाई के द्वारा अफ्रीका में कार्य कर रहा हूँ ।' **६.** शास्त्रीजी महाराज के आशीर्वाद से कीजाबे में से सारे युगान्डा में सत्संग विस्तीर्ण हुआ । **७.** हरमानभाई का मगनभाई के साथ संपर्क हुआ । **८.** गुरुहरि शास्त्रीजी महाराज और श्रीजीमहाराज को याद करते-करते वे प्राय: रो पड़ते । **९.** योगीजी महाराज ने चार बार उस भूमि को अपने पादस्पर्श से पावन की । **१०.** अफ्रीका में आयोजित होते अनेक हिन्दू उत्सवों में मगनभाई सत्संग की बातें किया करते ।

केवल नंबर :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । [८]

१. केदि देशो मा संसारी सुख ..... अहंकारी स्वभाव । (८२)
२. वहाला तारी आंगलीयोनी ..... हमणां मलो रे लोल । (६८)
३. जयसि त्वं भजत ..... दृष्टि पामी । (१०)
४. ध्यान धर ध्यान धर ..... भक्तनां मन लोभे । (१७)

प्र.८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [६]

१. ॐ श्रीक्षमानिधये नम: ..... ॐ श्रीस्वतन्त्राय नम: । (५०)
२. बाह्यान्त ..... शरणं प्रपद्ये । (२६)
३. यन्नामधेयश्रवणानुकीर्तना ..... भगवन्नु दर्शनात् । (१००) - **श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए ।**

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''फिलहाल तो महाराज के कोई समाचार नहीं है, परंतु शायद वे गढ़डा में होंगे ।'' (२५)
२. ''हमको तो आपके शरीर की चिंता है ।'' (२७)
३. ''हम तो शास्त्रों को उँचे लटका रखते हैं ।'' (५७)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-२**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. आत्मानंद स्वामी ने स्वामी को प्रसाद देने से इनकार किया । (७४)

२. सत्पुरुष के वचन में विश्वास रखना बहुत कठिन है । (७७)

३. ब्रह्मानंद स्वामी ने जूनागढ़ के महंत सोच समझकर नियुक्त करने की बात की । (४५)

४. वासुदेवचरणदास को अलौकिक शांति की अनुभूति हुई । (६३)

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. क्षमाशील । (३०)

२. मूर्ति में आसक्त । (३७)

३. जीव का ऊलटा स्वभाव । (७२)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[६]**

१. महाराज के दर्शन की लालच में स्वामी कब तक साथ में दौड़े ? (४०)

२. श्रीजीमहाराज ने मूलजी भक्त को किस दिन संसार त्याग करने का आदेश दिया ? (१४)

३. बचे हुए मोठ स्वामीने खा लिए तब रामदास स्वामी ने क्या कहा ? (३३)

४. रामानंद स्वामी ने भोलानाथ को आशीर्वाद देते हुए क्या कहा ? (२)

५. जूनागढ़ मंदिर का शिलान्यास किस की उपस्थिति में हुआ ? (४३)

६. अक्षर कोन से रूप में महाराज की सेवा में हैं ? (२१)

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. मान अपमान में एकता । (८२) २. सेवावृत्ति । (२९) ३. सेवा करे वही महंत । (७४)

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानन्द स्वामी ने किन किन को समाधि करवाई ? (५६, ७७)

(१) ☐ वालेरो वरु । (२) ☐ मुंजा सुरु ।

(३) ☐ तुलसी दवे । (४) ☐ हंसराज पटेल ।

२. गुणातीतानन्द स्वामी के निष्ठावान हरिभक्त । (७०)

(१) ☐ कमीगढ़ गाँव के रयो देसाई । (२) ☐ चाडिया गाँव के करसन बाभणिया ।

(३) ☐ हामापर गाँव का राम भंडेरी । (४) ☐ बगसरा गाँव के वेला सथवारा ।

३. गुणातीतानन्द स्वामी द्वारा दिखाया गया ऐश्वर्य । (३७, ५२)

(१) ☐ तेज को अपने में समा लिया । (२) ☐ डोसाभाई को साधु बनाया ।

(३) ☐ वस्ता को साधु बनाया । (४) ☐ बारिश को रोक लिया ।

४. श्रीजीमहाराज ने मूलजी की महिमा किस किस को कही ? (१०, १३)

(१) ☐ वशराम सुतार । (२) ☐ साकरबा ।

(३) ☐ नथु नाई । (४) ☐ बाबाजी ।

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ जुलाई, २०१० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।